

प्रेषक,

सन्तोष बड़ोनी,
अनुसचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवामें,

निदेशक पर्यटन,
उत्तरांचल, देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

विषय:- केन्द्र पोषित योजना के अन्तर्गत चालू निर्माण कार्यों हेतु वित्तीय वर्ष 2005-06 में धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

देहरादून दिनांक 10 अक्टूबर, 2006

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद् के पत्र संख्या-311/2-7-364/2006 दिनांक 25 सितम्बर, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय केन्द्र पोषित योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित योजनाओं हेतु रु0 65.00 लाख की लागत के विपरीत केन्द्र सरकार द्वारा अवमुक्त रु0 52.00 लाख के उपरान्त देय अवशेष केन्द्रांश जो कि अवमुक्त होने के बाद राजकोष में जमा किया जा चुका है अतः इसके समतुल्य रु0 13.00 लाख (रुपये तेरह लाख मात्र) की धनराशि के व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र० सं०	योजना का नाम	योजना की स्वीकृत लागत	भारत सरकार से अवमुक्त की गई धनराशि	वित्तीय वर्ष 2006-07 में अवमुक्त की जा रही धनराशि अवशेष धनराशि
1	जागेश्वर जिला, अल्मोड़ा का ग्रामीण पर्यटन के रूप में विकास	50.00	40.00	10.00
2	मसूरी में दिनांक 26 मई 2005 से 28 मई, 2005 तक माउण्टेनियरिंग एण्ड टूरिज्म मीट का आयोजन	15.00	12.00	3.00
	योग-	65.00	52.00	13.00

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करालें।

4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

9- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

10-निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।